*** पर्यायवाची** [5]

1. परमात्मा = ______________

**जवाब :** ईश्वर, प्रभु

2. प्रसिद्ध = ______________

**जवाब :** विख्यात, मशहुर

3. उत्साह = ______________

**जवाब :** जोश, जुनून

4. संदेह = ______________

**जवाब :** शक, संशय

5. हृदय = ______________

**जवाब :** मन, दिल

*** MCQ** [14]

6. रियासत देवगढ़ के दीवान सरदार सुजानसिंह ने राजा से क्या विनती की?

(A) राजा से अपनी सेवा के लिए धनवान बनने की इच्छा जताई।

(B) राजा से अपनी सेवा के लिए पदोन्नति की माँग की।

(C) राजा से राज-काज सँभालने की जिम्मेदारी से मुक्त होने की प्रार्थना की।

(D) राजा से अपने बेटे को राज-काज संभालने का अधिकार देने की गुजारिश की।

**जवाब :** (C) राजा से राज-काज सँभालने की जिम्मेदारी से मुक्त होने की प्रार्थना की।

7. राजा ने दीवान की प्रार्थना स्वीकार करने के लिए क्या शर्त रखी?

(A) दीवान को अपने उत्तराधिकारी का चयन करना होगा।

(B) दीवान को रियासत के लिए नया दीवान ढुँढना होगा।

(C) दीवान को रियासत छोड़कर जाना होगा।

(D) दीवान को रियासत के खजाने की देखभाल करनी होगी।

**जवाब :** (B) दीवान को रियासत के लिए नया दीवान ढुँढना होगा।

8. रियासत देवगढ़ में किसान की गाड़ी को नाले से पार करने में कौन सहायता करता है?

(A) गाड़ी के मालिक (B) नाले के किनारे खड़े लोग

(C) रियासत के सैनिक (D) हॉकी खेल रहा एक खिलाड़ी

**जवाब :** (D) हॉकी खेल रहा एक खिलाड़ी

9. हॉकी खेल के अंत में किसान की गाड़ी को पार करने में युवक ने किसका उपयोग किया?

(A) अपनी हॉकी स्टिक (B) अपने जूते (C) अपनी ताकत (D) अपने हौसले

**जवाब :** (D) अपने हौसले

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

10. किसान की गाड़ी नाले को पार करते समय क्या हुआ?

(A) गाड़ी कीचड़ में फँस गई।
(B) गाड़ी को धारा ने बहा दिया।
(C) गाड़ी पलट गई।
(D) गाड़ी चोरी हो गई।

**जवाब:** (A) गाड़ी कीचड़ में फँस गई।

11. युवक ने मजाक में कुछ इनाम माँगने का आग्रह किससे किया था?

(A) स्थानीय ग्रामीणों से
(B) हॉकी के एक खिलाड़ी से
(C) किसान से
(D) पुलिस अधिकारियों से

**जवाब :** (C) किसान से

12. किसान ने युवक को क्या दिया?

(A) धन (B) भूमि (C) पद (D) आशीर्वाद

**जवाब :** (D) आशीर्वाद

13. किसान द्वारा गंभीर भाव को सुनकर युवक ने किसान की ओर किस दृष्टि से देखा?

(A) सहमी (B) आश्चर्यचकित (C) संदेह भरी (D) तीव्र

**जवाब :** (C) संदेह भरी

14. चुनाव के दिन सभी उम्मीदवारों के चेहरे पर कैसे रंग आ रहे थे?

(A) खुशी व दु:खी के (B) आशा और निराशा के (C) हैरानी भाव के (D) संदेह भाव के

**जवाब :** (B) आशा और निराशा के

15. 'झाँसी की रानी' कविता किसने लिखी है?

(A) लक्ष्मीबाई
(B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) सुमित्रानंदन पंत
(D) केदारनाथ अग्रवाल

**जवाब :** (B) सुभद्रा कुमारी चौहान

16. रानी लक्ष्मीबाई किसकी मुँहबोली बहन थी?

(A) अजीमुल्ला खाँ (B) अहमदशाह (C) कुंवर सिंह (D) नाना धुंधूपंत पेशवा

**जवाब :** (D) नाना धुंधूपंत पेशवा

17. कवयित्री ने झाँसी की रानी की कथा किसके मुँह से सुनी थी?

(A) मराठों के (B) बुंदेलों के (C) अपने अध्यापक के (D) कवियों के

**जवाब :** (B) बुंदेलों के

18. नाना साहब कहाँ के रहने वाले थे?

(A) इलाहाबाद (B) झाँसी (C) कानपुर (D) ग्वालियर

**जवाब :** (C) कानपुर

19. लक्ष्मीबाई का प्रिय खेल था?

(A) नकली युद्ध करना
(B) व्यूह की रचना करना, शिकार करना
(C) सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना
(D) उपर्युक्त सभी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**जवाब :** (D) उपर्युक्त सभी

*** दिए गए पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए :** [50]

20. दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला कि देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की ज़रूरत है। जो सज्जन अपने को इस पद के योग्य समझें, वे वर्तमान सरकार सुजानसिंह की सेवा में उपस्थित हों। यह ज़रूरी नहीं है कि वे ग्रेजुएट हों, मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है, मंदाग्नि के मरीज को यहाँ तक कष्ट उठाने की कोई ज़रूरत नहीं। एक महीने तक उम्मीदवारों के रहन-सहन, आचार-विचार की देखभाल की जाएगी। विद्या का कम, परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जायेगा। जो महाशय इस परीक्षा में पूरे उतरेंगे, वे इस उच्च पद पर सुशोभित होंगे।

**प्रश्न-**

(क) देवगढ़ में किस बात के लिए विज्ञापन निकाला गया था?

(ख) उम्मीदवारों की किस बात पर विचार किया जाना था?

(ग) उम्मीदवारों के लिए क्या जरूरी नहीं और क्या जरूरी था?

(घ) 'मंदाग्नि' का अर्थ है?

(i) मंद अग्नि

(ii) मंद बुद्धि

(iii) कमजोर व्यक्ति

(iv) नशीला

(ङ) 'उम्मीदवार का चयन किसने करना था ?

(i) राजा ने

(ii) पूर्व दीवान ने

(iii) अधिकारी ने

(iv) प्रजा ने

**जवाब :** (क) देवगढ़ में सुयोग्य दीवान के चयन के लिए विज्ञापन निकाला गया था।

(ख) उम्मीदवारों की विद्या कम, परंतु कर्तव्य पर अधिक विचार किया जाना था।

(ग) उम्मीदवारों के लिए ग्रेजुएट होना जरूरी नहीं था । परंतु हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक था।

(घ) (iii) कमजोर व्यक्ति

(ङ) (ii) पूर्व दीवान ने

21. इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में तहलका मचा दिया । ऐसा ऊँचा पद और किसी प्रकार की कैद नहीं? केवल नसीब का खेल है। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य परखने के लिए चल खड़े हुए। देवगढ़ में नए-नए और रंग-बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे। प्रत्येक रेलगाड़ी से उम्मीदवारों का एक मेला सा उतरता। कोई पंजाब से चला आता था, कोई मद्रास से, कोई नए फैशन का प्रेमी, कोई पुरानी सादगी पर मिटा हुआ । रंगीन एमामे, चोगे और नाना प्रकार के अंगरखे और कंटोप देवगढ़ में अपनी सज-धज दिखाने लगे। लेकिन सबसे विशेष संख्या ग्रेजुएटों की थी, क्योंकि सनद की कैद न होने पर भी सनद से परदा तो ढका रहता है।

**प्रश्न-**

(क) 'सनद की कैद न होने पर भी सनद से परदा तो ढका रहता है।'- पंक्ति का क्या आशय है ?

(ख) देवगढ़ में क्या दिखाई देने लगा था ?

(ग) देवगढ़ में आए लोगों की वेशभूषा कैसी थी?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) विज्ञापन के बाद मुल्क में कैसा माहौल था ?
(i) शांत
(ii) सामान्य
(iii) भयपूर्ण
(iv) हलचल वाला

(ङ) 'सनद' शब्द का क्या अर्थ है?
(i) भोजन
(ii) प्रमाण
(iii) सनक
(iv) जेल

**जवाब :** (क) इस पंक्ति का आशय यह है कि शिक्षा का प्रमाण-पत्र एक ऐसी चीज़ है जो मनुष्य की अन्य कमियों को ढक देती है।
(ख) देवगढ़ में नए-नए और रंग-बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे। प्रत्येक रेलगाड़ी से उम्मीदवारों का एक मेला – सा उतरता।
(ग) कोई नए फैशन का प्रेमी, कोई पुरानी सादगी पर मिटा हुआ। रंगीन एमामे, चोगे और नाना प्रकार के अंगरखे तथा कंटोप पहने हुए लोग दिखाई दे रहे थे।
(घ) (iv) हलचल वाला
(ङ) (ii) प्रमाण

22. रियासत देवगढ़ में यह खेल बिल्कुल निराली बात थी। पढ़े-लिखे भलेमानुस लोग शतरंज और ताश जैसे गंभीर खेल खेलते थे। दौड़-कूद के खेल बच्चों के खेल समझे जाते थे।
खेल बड़े उत्साह से जारी था। धावे के लोग जब गेंद को लेकर तेज़ी से उड़ते तो ऐसा जान पड़ता था कि कोई लहर बढ़ती चली आती है। लेकिन दूसरी ओर के खिलाड़ी इस बढ़ती हुई लहर को इस तरह रोक लेते थे कि मानो लोहे की दीवार है।संध्या तक यही धूमधाम रही। लोग पसीने से तर हो गए। खून की गरमी आँख और चेहरे से झलक रही थी। हाँफते – हाँफते बेदम हो गए, लेकिन हार-जीत का निर्णय न हो सका।
**प्रश्न-**
(क) खेल में हार-जीत का निर्णय क्यों नहीं हो सका?
(ख) दूसरी टीम गेंद को किस प्रकार रोकती थी ?
(ग) पढ़े-लिखे लोग प्राय: कैसे खेल खेलते थे?

(घ) गेंद को लेकर तेजी से भागते लोग किसकी तरह दिखते थे?
(i) लहर
(ii) भीड़
(iii) दीवार
(iv) हवा

(ङ) हाँफते – हाँफते बेदम होने का अर्थ है-
(i) हार जाना
(ii) बुरी तरह थकना
(iii) मर जाना
(iv) गिरना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**जवाब :** (क) खेल में दोनों टीमों के सदस्यों ने अच्छा खेला संध्या होने तक भी कोई एक-दूसरे को हरा नहीं पाया; इसलिए हार-जीत का निर्णय नहीं हो पाया।
(ख) दूसरी टीम गेंद को लेकर बढ़ती हुई लोगों की लहर को ऐसे रोक लेती थी मानो लोहे की दीवार हो ।
(ग) पढ़े-लिखे लोग शतरंज और ताश जैसे गंभीर खेल खेलते थे।
(घ) (i) लहर
(ङ) (ii) बुरी तरह थकना

23. किसान युवक के सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। बोला, "महाराज, आपने आज मुझे उबार लिया, नहीं तो सारी रात मुझे यहाँ बैठना पड़ता । "
युवक ने हँसकर कहा, "अब मुझे कुछ इनाम देते हो?" किसान ने गंभीर भाव से कहा, "नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी। "
युवक ने किसान की तरफ़ गौर से देखा। उसके मन में एक संदेह हुआ, क्या यह सुजानसिंह तो नहीं हैं? आवाज़ मिलती है, चेहरा-मोहरा भी वही। किसान ने भी उसकी ओर तीव्र दृष्टि से देखा । शायद उसके दिल के संदेह को भाँप गया। मुस्कराकर बोला, "गहरे पानी में पैठने से ही मोती मिलता है। "

**प्रश्न-**
(क) युवक को किसान पर संदेह क्यों हुआ ?
(ख) युवक के इनाम माँगने पर किसान ने क्या कहा?
(ग) किसान ने युवक का धन्यवाद करते हुए क्या कहा?

(घ) 'गहरे पानी में पैठने से मोती मिलता है'-का आशय है-
(i) समुद्र की गहराई में मोती मिलता है।
(ii) गहरे पानी में जाना चाहिए।
(iii) मेहनत से सफलता मिलती है।
(iv) पानी का मोती कीमती होता है।

(ङ) युवक को किसान की आवाज किसकी तरह लगी?
(i) मित्र की तरह
(ii) सुजानसिंह की तरह
(iii) राजा की तरह
(iv) अपने पिता की तरह

**जवाब :** (क) युवक को किसान की आवाज और चेहरा-मोहरा सुजानसिंह की तरह लगा ।
(ख) युवक के इनाम माँगने पर किसान ने कहा कि- 'नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी।
(ग) किसान ने युवक का धन्यवाद करते हुए कहा – 'महाराज, आपने आज मुझे उबार लिया, नहीं तो सारी रात मुझे यहाँ बैठना पड़ता ' ।
(घ) (iii) मेहनत से सफलता मिलती है।
(ङ) (ii) सुजानसिंह की तरह ।

24. जब सरदार सुजानसिंह ने खड़े होकर कहा, "मेरे दीवानी के उम्मीदवार महाशयो ! मैंने आप लोगों को जो कष्ट दिया है, उसके लिए मुझे क्षमा कीजिए। इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी, जिसके हृदय में दया हो और साथ- साथ आत्मबल । हृदय वह जो उदार हो, आत्मबल वह जो आपत्ति का वीरता के साथ सामना करे और इस रियासत के सौभाग्य से हमें ऐसा पुरुष मिल गया । ऐसे गुणवाले संसार में कम हैं और जो हैं, वे कीर्ति और मान के शिखर पर बैठे हुए हैं, उन तक हमारी पहुँच नहीं । मैं रियासत के पंडित जानकीनाथ – सा को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दीवानी पाने पर बधाई देता हूँ।”

**प्रश्न-**

(क) सुजानसिंह ने उम्मीदवार का नाम बताते हुए क्या कहा?

(ख) दीवान पद के लिए कैसे पुरुष की आवश्यकता थी?

(ग) सुजानसिंह ने उम्मीदवारों से क्या कहा ?

(घ) गुणवान व्यक्ति कहाँ बैठते हैं?

(i) सिंहासन पर

(ii) मंदिरों में

(iii) जंगलों में

(iv) कीर्ति और मान के शिखर पर

(ङ) ‘कीर्ति’ का पर्यायवाची निम्न में से कौन-सा है ?

(i) यश

(ii) अपमान

(iii) सुंदर

(iv) ऊँचाई

**जवाब :** (क) सुजानसिंह ने उम्मीदवार का नाम बताते हुए कहा – ” मैं रियासत के पंडित जानकीनाथ – सा को दीवानी पाने पर बधाई देता हूँ।”

(ख) दीवान पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी जो उदार हो, जिसके हृदय में दया हो और उसका आत्मबल मजबूत हो।

(ग) सुजानसिंह ने उम्मीदवारों से कहा- “मेरे दीवानी के उम्मीदवार महाशयो! मैंने आप लोगों को जो कष्ट दिया है, उसके लिए मुझे क्षमा कीजिए ।

(घ) (iv) कीर्ति और मान के शिखर पर

(ङ) (i) यश

25. जब रियासत देवगढ़ के दीवान सरदार सुजानसिंह बूढ़े हुए तो परमात्मा की याद आई। जाकर महाराज से विनय की कि दीनबंधु! दास ने श्रीमान की सेवा चालीस वर्ष तक की, अब मेरी अवस्था भी ढल गई, राज-काज सैभालने की शक्ति नहीं रही। कहीं भूल-चूक हो जाए, तो बुढ़ापे में दाग लगे। सारी जिदगी की नेकनामी मिट्टी में मिल जाए।

राजा साहब अपने अनुभवशील नीतिकुशल दीवान का बड़ा आदर करते थे। बहुत समझाया, लेकिन जब दीवान साहब नहीं माने, तो हारकर उनकी प्रार्थना स्वीकार कर ली, पर शर्त यह रखी गई कि रियासत के लिए नया दीवान आप को ही खोजना पड़ेगा।

**QUESTION:**

Q.1. देवगढ़ राज्य के दीवान ने महाराज से क्या माँगा?

(A) पदोन्नति (B) सेवानिवृत्ति (C) वेतन वृद्धि (D) छुट्टी

Q.2. महाराज ने दीवान पर क्या शर्त लगाइ?

(A) दीवान को अपना प्रतिस्थापन खोजना था (B) दीवान को अंशकालिक काम करना जारी रखना था (C) दीवान को जुर्माना देना था (D) दीवान को राज्य छोड़ना था

Q.3. दीवान सरदार सुजानसिंह ने श्रीमान की सेवा कब तक की?

(A) बीस साल (B) तीस साल (C) चालीस साल (D) पचास साल



Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Q.4. दीवान सरदार सुजानसिंह को किस बात का डर था?
Q.5. दीवान सरदार सुजानसिंह ने राजा से क्या विनती की?

**जवाब :** 1. (B) सेवानिवृत्ति
2. (A) दीवान को अपना प्रतिस्थापन खोजना था
3. (C) चालीस साल
4. दीवान सरदार सुजानसिंह को इस बात का डर था कि यदि बुछापे के कारण कहीं कोई भूल-चूक हो गई, तो सारी ज़िंदगी की नेकमानी मिट्टी में मिल जाएगी।
5. दीवान सरदार सुजानसिंह ने राजा से यह विनती की कि उनमें राज-काज सँभालने की शक्ति नहीं रही है और इसलिए उन्हें सेवानिवृत्त होने की अनुमति दी जाए।

26. इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में तहलका मचा दिया। ऐसा ऊँचा पद और किसी प्रकार की कैद नही? केवल नसीब का खेल है। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य परखने के लिए चल पड़े। देवगढ़ में नए-नए और रंग-बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे। प्रत्येक रेलगाड़ी से उम्मीदवारों का एक मेला-सा उतरता। कोई पंजाब से चला आता था, कोई मद्रास से, कोई नए फैशन का प्रेमी, कोई पुरानी सादगी पर मिटा हुआ। रंगीन एमामे, चोगे और नाना प्रकार के अंगरखे और कंटोप देवगढ़ में अपनी सज-धज दिखाने लगे, लेकिन सबसे विशेष संख्या ग्रेजुएटों की थी, क्योंकि सनद की कैद न होने पर भी सनद से परदा तो ढका रहता है।

**QUESTION:**

Q.1. इस विज्ञापन में किस बात ने लोगों को इतना आकर्षित किया?
(A) उच्च पद (B) किसी प्रकार की कैद नहीं (C) नसीब का खेल (D) ये सभी
Q.2. देवगढ़ में किन-किन लोगों का आना-जाना शुरू हो गया था?
(A) पंजाब और मद्रास से आए लोग (B) नए फैशन के प्रेमी (C) पुरानी सादगी पर मिटे हुए लोग (D) उपरोक्त सभी
Q.3. देवगढ़ में कैसे मनुष्य दिखाई देने लगे?
(A) नए-नए (B) रंग-विरंगे (C) 'क' और 'ख' दोनों (D) नसीब वाले
Q.4. विज्ञापन ने लोगों में क्या प्रतिक्रिया उत्पन्न की?
Q.5. देवगढ़ में किस तरह के लोग आने लगे?

**जवाब :** 1. (D) ये सभी
2. (D) उपरोक्त सभी
3. (C) 'क' और 'ख' दोनों
4. विज्ञापन ने लोगों में काफी उत्साह और उत्सुकता पैदा की। उच्च पद और बिना किसी कैद के नौकरी मिलने का लालच देकर विज्ञापन ने लोगों को अपना भागय आजमाने के लिए प्रेरित किया।
5. देवगा में विभिन्न पृष्ठध्रूमि के लोग आने लगे। कोई पंजाब से था, कोई मद्रास से। कुछ नए फैशन के शौकीन थे, तो कुछ पुरानी सादरी को पसंद करते थे, लेकिन सबसे ज्यादा संख्या ग्रेजुएट्स की थी।

27. अँधेरा हो गया था। इस मैदान से जरा दूर हटकर एक नाला था। उस पर कोई पुल न था। पथिकों को नाले में से चलकर आना पड़ता था। खेल अभी बंद ही हुआ था और खिलाड़ी बैठे दम ले रहे थे कि एक किसान अनाज से भरी हुई गाड़ी लिए हुए उस नाले में आया, लेकिन कुछ तो नाले में कीचड़ थी और कुछ उसकी चढ़ाई इतनी ऊँची थी कि गाड़ी ऊपर न चढ़ सकती थी। वह कभी बैलों को ललकारता, कभी पहियों को हाथ से ढकेलता, लेकिन बोझ अधिक 'था और बैल कमजोर।
गाड़ी ऊपर को न चढ़ती और चढ़ती भी तो कुछ दूर चढ़कर फिर खिसककर नीचे पहुँच जाती। किसान बार-बार जोर लगाता और बार-बार झुंझलाकर बैलों को मारता, लेकिन गाड़ी उभरने का नाम न लेती। बेचारा इधर-उधर निराश होकर ताकता मगर वहाँ कोई सहायक नज़र न आता। गाड़ी को अकेले छोड़कर कहीं जा भी नहीं सकता।


Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बड़ी आपत्ति में फँसा हुआ था। इसी बीच में खिलाड़ी हाथों में डंडे लिए घूमते-घामते उधर से निकले।

**QUESTION:**

Q.1. किसान अपनी गाड़ी को नाले से पार क्यों नहीं कर पा रहा था?

(A) नाला बहुत गहरा था। (B) नाले में बहुत कीचड़ थी और चढ़ाई बहुत ऊँची थी। (C) बैस बहुत थक गए थे। (D) गाड़ी बहुत भारी थी।

Q.2. किसान किस स्थिति में फँस गया था?

(A) भूल और प्यास की (B) बीमारी की (C) बड़ी आपतिति की (D) अकेलेपन की

Q.3. दिए गए गद्यांश के आधार पर सही विकल्प चुनिए

(A) अँधेरा होता ही खेल प्रारंभ हो गया था। (B) नाला में एक युवक फँस गया था। (C) किसान की सहायता के लिए सभी आ गए। (D) किसान की गाड़ी अनाज से भी हुई थी।

Q.4. मैदान से थोड़ा दूर क्या था?

Q.5. किसान क्यों परेशान था?

**जवाब :** 1. (B) नाले में बहुत कीचड थी और चढ़ाई बहुत ऊँची थी।

2. (C) बड़ी आपत्ति की

3. (D) किसान की गाड़ी अनाज से भी हुई थी।

4. मैदान से थोड़ा दूर नाला था। उस नाले पर कोई भी पुल नहीं था। वहाँ से आने-जाने वाले व्यक्तियों को नाले में से चलकर आना पड़ता था।

5. किसान इसलिए परेशान था, क्योंकि वह अपनी गाड़ी को नाले से पार नहीं कर पा रहा था। वह जैसे ही गाड़ी को आगे लाने की कोशिश करता इतने ही गाड़ी बोड़ी ऊपर चढ़कर फिर खिसककर नीचे पहुँच जाती थी इसी कारण किसान परेशान हो गया।

28. किसान गाड़ी पर जा बैठा। युवक ने पहिये को जोर लगाकर उकसाया। कीचड़ बहुत ज्यादा थी, वह घुटने तक ज़मीन में गड़ गया, लेकिन हिम्मत न हारी। उसने फिर जोर किया, उधर किसान ने बैलों को ललकारा। बैलों को सहारा मिला, हिम्मत बंध गई, उन्होंने कंधे झुकाकर एक बार ज़ोर किया, तो गाड़ी नाले के ऊपर थी।

किसान युवक के सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। बोला, "महाराज, आपने आज मुझे उबार लिया, नहीं तो सारी रात मुझे यहाँ बैठना पड़ता।' युवक ने हैसकर कहा, "अब मुझे कुछ इनाम देते हो? किसान ने गंभीर भाव से कहा, नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी।

युवक ने किसान की ओर गौर से देखा। उसके मन में एक संदेह हुआ, क्या यह सुजानसिंह तो नहीं हैं? आवाज़ मिलती है, चेहरा-मोहरा भी वही। किसान ने भी उसकी ओर तीव्र दृष्टि से देखा। शायद उसके दिल के संदेह को भाँप गया। मुस्कुराकर बोला, गहरे पानी में पैठने से ही मोती मिलता है।

**QUESTION:**

Q.1. किसान ने युवक को क्या कहा जब गाड़ी नाले से पार हो गई?

(A) आपको बदले में क्या चाहिए। (B) नारायण चाहेंगे, तो दीवानी आपको ही मिलेगी। (C) आपका बहुत धन्यवाद। (D) उपर्युक्त सभी

Q.2. युवक को किस बात का संदेह हुआ?

(A) किसान बहुत अमीर है। (B) किसान एक राजा है। (C) किसान सुजानसिह है। (D) किसान बहुत बुद्धिमान है।

Q.3. किसान ने युवक के संदेह का जवाब कैसे दिया?

(A) गुस्सा होकर (B) मुस्कुराकर (C) रोकर (D) डरकर

Q.4. युवक ने गाड़ी को कैसे पार करवाया?

Q.5. किसान ने युवक को क्या कहा?



Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**जवाब :** 1. (ख) नारायण चाहेंगे, तो दीवानी आपको ही मिलेगी।

2. (ग) किसान सुजानसिए है।

3. (B) मुस्कुराकर

4.. युवक ने पहिये को जोर लगाकर उकसाया। कीचड़ ज्यादा होने पर उसके घुटने जमीन में गड़ गए थे, कितु उसने हिम्मत नहीं हारी। उसने पुनः (दोबारा) जोर लगाया किसान ने भी बैलों को ललकारा। इस प्रकार बैलों में भी हिम्मत बंध गई और गाड़ी नाले से निकल गई।

5.. किसान ने युवक को धन्यवाद दिया और कहा कि नारायण चाहेंगे, तो दीवानी आपको ही मिलेगी। किसान द्वारा युवक को इस प्रकार कहे गए भाव गंभीर थे।

29. संध्या समय राजा साहब का दरबार सजाया गया। शहर के रईस और धनाढ्य लोग, राज्य के कर्मचारी और दरबारी तथा दीवानी के उम्मीदवारों का समूह, सब रंग-बिरंगी सज-धज बनाए दरबार में आ विराजे! उम्मीदवारों के कलेजे धड़क रहे थे।

जब सरदार सुजानसिंह ने खडे होकर कहा, मेरे दीवानी के उम्मीदवार महाशयो! मैंने आप लोगों को जो कष्ट दिया है, उसके लिए मुझे क्षमा कीजिए। इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी, जिसके हुदय में दया हो और साथ-साथ आत्मबल। हादय वह जो उदार हो, आत्मबल वह जो आपत्ति का वीरता के साथ सामना करे और इस रियासत के सौभाग्य से हमें ऐसा पुरुष मिल गया। ऐसे गुणवाले संसार में कम हैं और जो हैं, वे कीर्ति और मान के शिखर पर बैठे हुए है, उन तक हमारी पहुँच नहीं। मैं रियासत के पंडित जानकीनाथ-सा को दीवानी पाने पर बधाई देता हूँ।

**QUESTION:**

Q.1. दीवानी का पद किसको दिया गया?

(A) सुजानसिह (B) जानकीनाथ (C) किसान को (D) इनमें से कोई़ नही

Q.2. दीवानी के लिए किस गुण वाले व्यक्ति की आवश्यकता थी?

(A) दयालु और आत्मविश्वासी (B) अमीर और ताकतवर (C) चालाक और धूर्त (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.3. दरबार में कौन-कौन लोग आए थे?

(A) शहर के रईस (B) राज्य के कर्मचारी (C) दरबारी व दीवान (D) ये सभी

Q.4. ऐसे गुण वाले संसार में कम है' प्रस्तुत पंक्ति में किस ओर संकेत किया गया है?

Q.5. सरदार सुजानसिंह खड़े क्यों हो गए थे?

**जवाब :** 1. (B) जानकीनाथ

2. (A) दयालु और आत्मविश्वासी

3. (D) ये सभी

4.. प्रस्तुत पंक्ति में सरदार सुजानसिंह ने ऐसे व्यक्ति की ओर संकेत किया है, जिसमें दया, नम्रता, सहानुभूति, बंधुत्व भाव विद्यमान हो, साथ ही वह वीर व साहसी भी हो। अत: ऐसे गुण वाले व्यक्ति इस संसार में कम हैं।

5. सरदार सुजान्नसिंह दरबार में इसलिए खड़े हुए, क्योंकि वह दिन चुनाव का दिन था और उन्हें 'दीवानी' पद के लिए उम्मीदवार का चयन करना था।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ( 2 Mark )** **[50]**

30. दीवान जी ने किन्हें दीवान पद के लिए नामांकन करने से मना किया? और क्यों?

**जवाब :** दीवान जी ने मंदाग्नि अर्थात् कमजोर व्यक्ति को इस पद के लिए मना किया क्योंकि दीवान का पद बहुत ही महत्वपूर्ण पद था इसके लिए स्वस्थ व्यक्ति की आवश्यकता थी।

31. मिस्टर 'अ' किस तरह का उम्मीदवार था ?



Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**जवाब :** मिस्टर 'अ' एक चालाक उम्मीदवार था। वे अपने घर में नौ बजे तक सोया करता था। परंतु यहाँ दिखावे के लिए सूरज की पहली किरण के साथ उठने लगा था।

32. मिस्टर 'ल' को किससे घृणा थी?

**जवाब :** मिस्टर 'ल' को किताबों से घृणा थी परंतु यहाँ पर वो दिखावटी व्यवहार कर रहा था। वो अब बड़े-बड़े ग्रंथ देखने-पढ़ने में डूबा रहता था।

33. खेलने के बाद घर लौटते समय युवक ने क्या देखा?

**जवाब :** घर लौटते समय युवक ने देखा कि एक लाचार किसान अनाज से भरी बैलगाड़ी को नाले से निकालने का भरसक प्रयास कर रहा है परंतु वो नाकाम रहा।

34. खेल के बाद उम्मीदवारों की क्या हालत थी?

**जवाब :** खेल के बाद उम्मीदवार पसीने से तर हो गए थे। खून की गरमी आँख और चेहरे से झलक रही थी और वे हाँफते – हाँफते बेदम हो गए थे।

35. जब दीवान पद के उचित उम्मीदवार की घोषणा होनी थी। उस समय राज दरबार का माहौल कैसा था ?

**जवाब :** संध्या समय राजा साहब का दरबार सजाया गया। शहर के रईस और धनाढ्य लोग, राज्य के कर्मचारी और दरबारी तथा दीवानी के उम्मीदवारों का समूह, सब रंग-बिरंगी सज-धज बनाए दरबार में आ विराजे ! उम्मीदवारों के कलेजे धड़क रहे थे।

36. सुजानसिंह ने पंडित जानकीनाथ को दीवान पद के चयन का क्या कारण बताया?

**जवाब :** सुजानसिंह ने बताया कि किस प्रकार पंडित जानकीनाथ ने घायल होने के बाद भी अपनी परवाह ना करके गरीब, लाचार किसान की मदद की और अपने पूरे बल से उसकी बैलगाड़ी नाले से बाहर निकाल दी। सुजानसिंह ने कहा कि ऐसा इंसान कभी गरीबों को नहीं सताएगा और हमेशा धर्म तथा दया के मार्ग पर चलेगा।

37. सिंहासन हिल उठे, राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फ़िरंगी को करने की सबसे मन में ठानी थी,
चमक उठी सन् सत्तावन में
वह तलवार पुरानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी॥

**QUESTION:**

Q.1. इस काव्यांश में किस समय की दशा का वर्णन है?
(A) भारत की परतंत्रता की
(B) भारत की स्वतंत्रता की।
(C) भारत में अंग्रेज़ी शासन की
(D) भारत में मुगल शासन की

Q.2. राजवंशों की भृकुटी तानने से कवयित्री का तात्पर्य क्या है?
(A) तिरछी नज़रों से देखना
(B) क्रोध भरी नज़रों से देखना



Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(C) एक आँख से देखना
(D) युद्ध के लिए तैयार होना

**जवाब :** 1. (C) भारत में अंग्रेज़ी शासन की
2. (B) क्रोध भरी नज़रों से देखना

38. कानपुर के नाना की मुँहबोली बहन 'छबीली' थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के संग पढ़ती थी वह, नाना के संग खेली थी,
बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी,
वीर शिवाजी की गाथाएँ
उसको याद ज़बानी थीं।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी॥

**QUESTION:**
Q.1. इस काव्यांश में लक्ष्मीबाई के जीवन के किस काल का चित्रण मिलता है?
(A) बाल्यकाल का (B) युवाकाल का (C) प्रौढ़ अवस्था का (D) इनमें से कोई नहीं
Q.2. यह कविता किस काल के बारे में है?
(A) वर्ष 1885 (B) वर्ष 1857 (C) वर्ष 1757 (D) वर्ष 1947

**जवाब :** 1. (A) बाल्यकाल का
2. (C) वर्ष 1757

39. लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार,
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार,
नकली युद्ध, व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार,
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना, ये थे उसके प्रिय खिलवार,
महाराष्ट्र-कुल-देवी उसकी
भी आराध्य भवानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**
Q.1. वीरता की अवतार किसे कहा गया है?
(A) दुर्गा को (B) भवानी को (C) लक्ष्मी को (D) लक्ष्मीबाई को
Q.2. लक्ष्मीबाई को तलवार चलाते देख कौन प्रसन्न होते थे?
(A) बुंदेले (B) मराठे (C) गुजराती (D) पंजाबी
Q.3. लक्ष्मीबाई को दुर्गा का अवतार क्यों कहा जाता था?
Q.4. मराठे क्यों पुलकित होते थे?

**जवाब :** 1. (D) लक्ष्मीबाई को
2. (B) मराठे


Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. जैसे देवी दुर्गा ने राक्षसों का वध किया वैसे ही लक्ष्मीबाई भी अंग्रेजों से लोहा ले रही थीं।
4. लक्ष्मीबाई की वीरता, तलवार का वार व शत्रु सेना को घेरने की व्यूह रचना देखकर मराठे पुलकित होते थे।

40. हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में,
ब्याह हुआ रानी बन आई लक्ष्मीबाई झाँसी में,
राजमहल में बजी बधाई खुशियाँ छाईं झाँसी में,
सुभट बुंदेलों की विरुदावलि-सी वह आई झाँसी में,
चित्रा ने अर्जुन को पाया,
शिव से मिली भवानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी॥

**QUESTION:**

Q.1. लक्ष्मीबाई की सगाई किस राजा से हुई?
(A) दिल्ली के शासक गंगाधर राव से
(B) झाँसी के शासक गंगाधर राव से
(C) लखनऊ के शासक गंगाधर राव से
(D) कश्मीर के शासक गंगाधर राव से
Q.2. झाँसी में खुशियाँ क्यों छा गईं ?
(A) झाँसी के राजा की लक्ष्मीबाई से शादी होने पर
(B) झाँसी के राजा की लक्ष्मीबाई से सगाई होने पर
(C) झाँसी के राजा द्वारा धन संपत्ति बाँटने पर।
(D) झाँसी के राजा द्वारा एक के बाद एक प्रांत विजय करने पर
Q.4. कवयित्री का नाम लिखिए।
Q.5. कौन ब्याह होकर कहाँ आ गई?

**जवाब :** 1. (b) झाँसी के शासक गंगाधर राव से
2. (a) झाँसी के राजा की लक्ष्मीबाई से शादी होने पर
3. कवयित्री का नाम सुभद्रा कुमारी चौहान' है।
4. लक्ष्मीबाई ब्याह करके झाँसी में रानी बनकर आ गई।

41. उदित हुआ सौभाग्य, मुदित महलों में उजयाली छाई,
किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई,
तीर चलाने वाले कर में उसे चूड़ियाँ कब भाई,
रानी विधवा हुई हाय! विधि को भी नहीं दया आई,
नि:संतान मरे राजा जी,
रानी शोक-समानी थी,
बुंदेले हर बोलों के मुँह।
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो।
झाँसीवाली रानी थी॥

**QUESTION:**

Q.1. झाँसी के राजमहलों में प्रसन्नता और उजयाली छा गई

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(A) लक्ष्मीबाई का युद्ध कौशल देखकर
(B) रानी की वीरता की अंग्रेजों द्वारा प्रसंशा सुनकर
(C) जब लक्ष्मीबाई रानी बनकर आई।
(D) लक्ष्मीबाई और गंगाधर राव के विवाह की सूचना पाकर
Q.2. किसके जीवन में कालगति ने काली घटा घेर दी-
(A) ताँत्या (B) नाना साहब (C) लक्ष्मीबाई (D) गंगाधर राव
Q.3. कब कौन-सा सौभाग्य उदित हुआ?
Q.4. कालगति किस प्रकार काली घटा घेर लाई?

**जवाब :** 1. (C) जब लक्ष्मीबाई रानी बनकर आई।
2. (C) लक्ष्मीबाई
3. जब लक्ष्मीबाई झाँसी की रानी बनकर आई तब वहाँ के राजमहलों में सौभाग्य उदित हुआ।
4. कालगति से लक्ष्मीबाई के पति गंगाधर राव को आकस्मिक मृत्यु हो आई।

42. बुझा दीप झाँसी का तब डहलौज़ी मन में हरषाया,
राज्य हड़प करने का उसने यह अच्छा अवसर पाया,
फौरन फ़ौजें भेज दुर्ग पर अपना झंडा फहराया,
लावारिस का वारिस बनकर ब्रिटिश राज्य झाँसी आया,
अश्रपूर्ण रानी ने देखा
झाँसी हुई बिरानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी॥

**QUESTION:**
Q.1. झाँसी का दीप बुझने से कवयित्री का क्या आशय है?
(A) राज्य में अंधकार छा गया (B) राज्य पराधीन हो गया (C) लक्ष्मीबाई की मृत्यु (D) युद्ध में हार
Q.2. डहलौज़ी मन-ही-मन क्यों प्रसन्न हुआ?
(A) डहलौज़ी को अब अवसर मिल गया कि वह झाँसी राज्य को अंग्रेज़ी राज्य में मिला सकता था। (B) डहलौजी झाँसी पर हमला करना चाहता था। (C) वह लावारिस राज्य का वारिस बनना चाहता था। (D) सभी कथन सत्य हैं

**जवाब :** 1. (C) लक्ष्मीबाई की मृत्यु
2. (D) सभी कथन सत्य हैं।

43. अनुनय-विनय नहीं सुनता है, विकट फ़िरंगी की माया,
व्यापारी बन दया चाहता था जब यह भारत आया,
डलहौज़ी ने पैर पसारे अब तो पलट गई काया,
राजाओं नव्वाबों को भी उसने पैरों ठुकराया,
रानी दासी बनी, बनी यह
दासी अब महारानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Q.1. फिरंगी किसे कहा गया है
(A) शत्रु राज्यों को (B) मित्र राज्यों को (C) अंग्रेज़ों को (D) देश में आने वाले सभी व्यापारियों को
Q.2. रानी के अनुनय-विनय को किसने ठुकरा दिया
(A) पड़ोसी राज्यों ने (B) झाँसी की जनता ने (C) फिरंगियों ने (D) गंगाधर राव ने
Q.3. फिरंगी कैसे थे?
Q.4. अंग्रेज़ किस रूप में भारत आए।

**जवाब :** 1. (C) अंग्रेज़ों को
2. (C) फिरंगियों ने
3. फिरंगी बहुत क्रूर थे। वे लालची थे और भारतीय राज्यों पर आधिपत्य स्थापित करना चाहते थे।
4. अंग्रेज़ भारत में व्यापारी बनकर आए थे।

44. छिनी राजधानी देहली की, लिया लखनऊ बातों-बात
कैद पेशवा था बिठूर में, हुआ नागपुर का भी घात,
उदैपुर, तंजौर, सतारा, करनाटक की कौन बिसात,
जबकि सिंध, पंजाब ब्रह्म पर अभी हुआ था वज्र-निपात,
बंगाले, मद्रास आदि की
भी तो यही कहानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी॥

**QUESTION:**
Q.1. मुँह से सुनी थी कि रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेजों से डटकर लड़ी थी। बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर
(क) भारत की दशा कैसी थी?
(A) दीन-हीन (B) सुदृढ़ (C) संपन्न (D) राजनैतिक मज़बूर
Q.2. अंग्रेज़ों ने किन दो स्थानों पर पूरी तरह कब्जा कर लिया? ।
(A) दिल्ली-तंजोर (B) दिल्ली-नागपुर (C) दिल्ली-लखनऊ (D) दिल्ली-कर्नाटक
Q.3. किसने राजधानी दिल्ली को छीनकर कब्जा कर लिया?
Q.4. पेशवा को कैद करके किस स्थान पर रखा गया था?

**जवाब :** 1. (A) दीन-हीन
2. (C) दिल्ली-लखनऊ
3. अंग्रेजों ने दिल्ली पर कब्जा कर लिया।
4. अंग्रेजों ने पेशवा को कैद करके बिठूर में रखा था।

45. रानी रोईं रनिवासों में, बेगम गम से थी बेज़ार,
उनके गहने-कपड़े बिकते थे कलकत्ते के बाजार,
सरे-आम नीलाम छापते थे अंग्रेज़ों के अखबार,
'नागपुर के जेवर ले लो' 'लखनऊ के लो, नौलख हार,'
यों परदे की इज्जत
परदेशी के हाथ बिकानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**

Q.1. रानियाँ कहाँ रोती थीं?

(A) लोगों के घरों में जाकर (B) राजदरबारों में जाकर (C) रनिवासों में (D) बाजारों में जाकर

Q.2. गम से बेज़ार कौन था?

(A) रानियाँ (B) नवाबों की बेगम (C) राजा (D) जनता

Q.3. कवयित्री का नाम लिखिए।

Q.4. रानियों और बेगमों की क्या दशा थी?

**जवाब :** 1. (C) रनिवासों में

2. (B) नवाबों की बेगम

3. इस पद्यांश की कवयित्री का नाम-सुभद्रा कुमारी चौहान है।

4. रानियों और बेगमों की दशा दयनीय थी। उनके गहने और कपड़े खुलेआम बाज़ारों में बेचे जा रहे थे।

46. कुटियों में थी विषम वेदना, महलों में आहत अपमान,
सैनिकों के मन में था, अपने पुरखों का अभिमान,
नाना धुंधूपंत पेशवा जुटा रहा था सब सामान,
बहिन छबीली ने रण-चंडी का कर दिया प्रकट आह्वान
हुआ यज्ञ प्रारंभ उन्हें तो वीर
सोई ज्योति जगानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**

Q.1. किसका अभिमान आहत हो रहा था?

(A) मकानों में रहने वाले लोगों का

(B) कुटियों में रहने वाले लोगों का

(C) महलों में रहने वाले लोगों का

(D) उपर्युक्त सभी

Q.2. विषम वेदना कहाँ थी?

(A) महलों में (B) मकानों में (C) कुटियों में (D) धर्मशालाओं में

Q.3. कुटियों में रहने वालों की क्या दशा थी?

Q.4. वीर सैनिकों के मन में क्या था?

**जवाब :** 1. (A) मकानों में रहने वाले लोगों का

2. (C) कुटियों में

3. कुटियों में रहने वाले वेदना से ग्रस्त थे, अंग्रेजी सरकार के अत्याचार उन्हें सहने पड़े थे।

4. वीर सैनिको के मन में अपने पूर्वजों के प्रति अभिमान का भाव था।

47. महलों ने दी आग, झोपड़ी ने ज्वाला सुलगाई थी,
यह स्वतंत्रता की चिनगारी अंतरतम से आई थी,
झाँसी चेती, दिल्ली चेती, लखनऊ लपटें छाई थीं,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मेरठ, कानपुर, पटना ने भारी धूम मचाई थी,
जबलपुर, कोल्हापुर में भी
कुछ हलचल उकसानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुंह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**

Q.1. स्वतंत्रता की चिनगारी कहाँ से आई थी?
(A) ग्वालियर से (B) लखनऊ से (C) नागपुर से (D) लोगों के अंतरतम से
Q.2. स्वतंत्रता संग्राम में आग लगाने का काम किसने किया?
(A) महलों ने (B) झोंपड़ियों ने (C) मकानों ने (D) साधारण जनता ने
Q.3. स्वतंत्रता की आग को किसने रोशन किया?
Q.4. स्वतंत्रता के आग की लपटों को किसने तेज़ कर दिया?

**जवाब :** 1. (D) लोगों के अंतरतम से
2. (B) झोंपड़ियों ने
3. स्वतंत्रता की आग को महलों ने रोशन किया था।
4. स्वतंत्रता की आग की लपटों को झोंपड़ियों ने तेज़ करके भड़का दिया।

48. इस स्वतंत्रता-महायज्ञ में कई वीरवर आए काम, नाना धुंधूपंत, ताँतिया, चतुर अज़ीमुल्ला सरनाम, अहमद शाह मौलवी, ठाकुर कुँवरसिंह सैनिक अभिराम, भारत के इतिहास-गगन में अमर रहेंगे जिनके नाम, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसीवाली रानी थी। लेकिन आज जुर्म कहलाती उनकी जो कुरबानी थी। बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी।

**QUESTION:**

Q.1. किस स्वतंत्रता-महायज्ञ की बात कवयित्री ने इस पद्यांश में की है?
(A) 1857 की क्रांति (B) स्वदेशी आंदोलन (C) असहयोग आंदोलन (D) भारत छोड़ो आंदोलन
Q.2. भारत के इतिहास-गगन में किनके नाम अमर होने की बात कही गई है?
(A) अजीमुल्लाह एवं नाना धुंधूपंत (B) रानी सखियाँ-काना एवं मंदरा (C) रानी का घोड़ा (D) इनमें कोई नहीं
Q.3. इस स्वतंत्रता-महायज्ञ में कई वीरवर आए काम-इस पंक्ति का क्या अर्थ है ?
Q.4. देश के लिए कुर्बान होने वाले विख्यात वीर सैनिक कौन थे?

**जवाब :** 1. (A) 1857 की क्रांति
2. (A) अजीमुल्लाह एवं नाना धुंधूपंत
3. इसका अर्थ है कि इस स्वतंत्रता-महायज्ञ में कई भारतीय वीर सैनिकों ने अपनी आहुति दी और अपने आप को कुर्बान कर दिया
4. देश के लिए कुर्बान होने वाले वीर सपूतों में प्रमुख थे-नाना धुंधूपंत, ताँत्या, अजीमुल्ला, अहमद शाह मौलवी, ठाकुर कुँवर सिंह आदि।

49. इनकी गाथा छोड़ चले हम झाँसी के मैदानों में,
जहाँ खड़ी है लक्ष्मीबाई मर्द बनी मर्दानों में,
लेफ्टिनेंट वॉकर आ पहुँचा, आगे बढ़ा जवानों में,
रानी ने तलवार खींच ली, हुआ द्वंद्व असमानों में,
ज़ख्मी होकर वॉकर भागा,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उसे अजब हैरानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुंह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी॥

**QUESTION:**

Q.1. झाँसी के मैदानों में मर्द बनकर कौन खड़ी है?
(A) रानी की सखियाँ (B) रानी लक्ष्मीबाई (C) राजपूत नारियाँ (D) राजघराने की सभी नारियाँ
Q.2. युद्ध क्षेत्र में रानी के पहुँचने के बाद कौन अंग्रेज़ सेनापति आ पहुँचा?
(A) डलहौजी (B) कार्नवालिस (C) लेफ्टिनेंट वॉकर (D) लार्ड वेलेजली
Q.3. इस पद्यांश में झाँसी के मैदानों में चलने की बात क्यों की गई है?
Q.4. किस अंग्रेज सेनापति ने अपने जवानों के साथ झाँसी के मैदान में रानी से युद्ध किया?

**जवाब :** 1. (B) रानी लक्ष्मीबाई
2. (C) लेफ्टिनेंट वॉकर
3. झाँसी के मैदानों में चलने की बात इसलिए कही गई है, क्योंकि वहाँ रानी लक्ष्मीबाई वीर पुरुषवेष में खड़ी थीं।
4. रानी से युद्ध के लिए लेफ्टिनेंट वॉकर अपने जवानों के साथ झाँसी के मैदान में पहुंचा।

50. रानी बढ़ी कालपी आई, कर सौ मील निरंतर पार, घोड़ा थककर गिरा भूमि पर, गया स्वर्ग तत्काल सिधार, यमुनातट पर अंग्रेजों ने फिर खाई रानी से हार, विजयी रानी आगे चल दी, किया ग्वालियर पर अधिकार, अंग्रेजों के मित्र सिंधिया ने छोड़ी राजधानी थी। बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी। खूब लड़ी मर्दानी वह तो 'झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**

Q.1. रानी झाँसी के मैदानों से आगे बढ़कर कहाँ पहुँची?
(A) ग्वालियर (B) कालपी (C) लखनऊ (D) कानपुर
Q.2. रानी का घोड़ा क्यों मर गया?
(A) घोड़ा कमज़ोर था
(B) कई दिनों से भूखा-प्यासा था।
(C) सौ मील चलने के बाद थककर
(D) इनमें से कोई नहीं
Q.3. लगातार सौ मील की दूरी तय करके रानी कहाँ पहुँची?
Q.4. रानी के घोड़े के स्वर्ग सिधारने का क्या कारण था?

**जवाब :** 1. (B) कालपी
2. (C) सौ मील चलने के बाद थककर
3. झाँसी के युद्ध क्षेत्र से रानी आगे बढ़ी और सौ मील की दूरी तय करके कालपी पहुंची।
4. रानी का घोड़ा लगातार सौ मील की दूरी तय करने के बाद थक गया था। जिसके कारण वह गिर पड़ा और स्वर्ग सिधार गया।

51. विजय मिली, पर अंग्रेजों की फिर सेना घिर आई थी,
अबके जनरल स्मिथ सन्मुख था, उसने मुँह की खाई थी,
काना और मंदरा सखियाँ रानी के संग आई थीं,
युद्ध क्षेत्र में उन दोनों ने भारी मार मचाई थी,
पर, पीछे यूरोज़ आ गया,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हाय! घिरी अब रानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**

Q.1. अंग्रेजों की सेना का सेनापति कौन था जिसने ग्वालियर विजय के पश्चात रानी की सेना को फिर से घेर लिया?

(A) लार्ड डलहौजी (B) कार्नवालिस (C) लेफ़्टीनेंट वॉकर (D) जनरल स्मिथ

Q.2. रानी के सम्मुख किसने मुँह की खाई थी?

(A) जनरल स्मिथ (B) डलहौजी (C) कार्नवालिस (D) इनमें से कोई नहीं झाँसी की रानी

Q.3. ग्वालियर विजय के पश्चात रानी से युद्ध के लिए उनके सम्मुख कौन अंग्रेज़ सेनापति आया?

Q.4. रानी की किन सखियों ने युद्ध में भारी मार-काट मचाई थी?

**जवाब :** 1. (D) जनरल स्मिथ

2. (A) जनरल स्मिथ

3. ग्वालियर विजय के पश्चात रानी के सम्मुख जनरल स्मिथ सेना के साथ आया।

4. रानी की सखियों-मंदरा और काना ने रानी के साथ मिलकर भारी मार-काट मचाई थी।

52. तो भी रानी मार-काटकर चलती बनी सैन्य के पार,
किंत सामने नाला आया, था यह संकट विषम अपार,
घोड़ा अड़ा, नया घोड़ा था इतने में आ गए सवार,
रानी एक, शत्रु बहुतेरे, होने लगे वार पर वार,
घायल होकर गिरी सिंहनी
उसे वीर-गति पानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**

Q.1. रानी के सामने कौन-सा विषम संकट आ गया?

(A) रानी के रास्ते में नदी आ गई

(B) रानी के रास्ते में नाला पड़ा

(C) रानी के सामने दुर्गम पहाड़ आ गया

(D) इनमें से कोई नहीं ।

Q.2. घोड़ा क्यों अड़ गया?

(A) घोड़ा प्यासा था। (B) घोड़ा भूखा था। (C) घोड़ा थक गया था। (D) घोड़ा नया था।

**जवाब :** 1. (B) रानी के रास्ते में नाला पड़ा

2. (D) घोड़ा नया था।

53. रानी गई सिधार चिता अब उसकी दिव्य सवारी थी,
मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी,
अभी उम्र कुल तेईस की थी, मनुज नहीं अवतारी थी,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हमको जीवित करने आई बन स्वतंत्रता नारी थी,
दिखा गई पथ, सिखा गई हमको
जो सीख सिखानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी॥

**QUESTION:**

Q.1. अब रानी की सवारी क्या थी?
(A) रथ (B) घोड़ा (C) चिता (D) हाथी
Q.2. वीरगति प्राप्त करते समय रानी की उम्र क्या थी?
(A) बीस वर्ष (B) बाईस वर्ष (C) तेईस वर्ष (D) पच्चीस वर्ष
Q.3. रानी की क्या दशा हुई ?
Q.4. रानी लक्ष्मीबाई को अवतारी क्यों कहा गया है?

**जवाब :** 1. (B) घोड़ा
2. (C) तेईस वर्ष
3. रानी अपना अमर बलिदान देकर स्वर्ग सिधार गई थी।
4. रानी लक्ष्मीबाई ने अत्यंत कम उम्र में जो साहस और वीरता दिखाई, वह किसी साधारण मनुष्य की क्षमता से बाहर की बात थी। इसलिए उन्हें अवतारी अर्थात ईश्वर का रूप कहा गया है।

54. जाओ रानी याद रखेंगे हम कृतज्ञ भारतवासी,
यह तेरा बलिदान जगावेगा स्वतंत्रता अविनाशी,
होवे चुप इतिहास, लगे सच्चाई को चाहे फाँसी,
हो मदमाती विजय, मिटा दे गोलों से चाहे झाँसी,
तेरा स्मारक तू ही होगी,
तू खुद अमिट निशानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।

**QUESTION:**

Q.1. यहाँ रानी के कहाँ जाने की बात हो रही है?
(A) स्वर्ग (B) झाँसी में (C) भारत से बाहर (D) अपने घर
Q.2. रानी का बलिदान हमारे हृदयों में कैसी स्वतंत्रता का भाव पैदा करता है?
(A) अस्थाई (B) चिरस्थाई (C) घूमने-फिरने की स्वतंत्रता (D) मत देने की आज़ादी
Q.3. भारतवासी क्या करेंगे?
Q.4. रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान भारतीयों के मन में कैसी स्वतंत्रता का भाव जगाता है?

**जवाब :** 1. (A) स्वर्ग
2. (B) चिरस्थाई
3. भारतवासी कृतज्ञ हैं, अत: लक्ष्मीबाई के अमर बलिदान को सदा याद रखेंगे।
4. लक्ष्मीबाई का बलिदान भारतीयों के मन में चिर स्थाई स्वतंत्रता का भाव जगाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए (1 Mark)** **[5]**

55. सुजानसिंह ने कितने वर्षों तक रियासत की सेवा की ?

**जवाब :** सुजानसिंह ने 40 वर्षों तक रियासत की सेवा की।

56. राजा ने किस शर्त पर दीवान का त्यागपत्र स्वीकार करना तय किया?

**जवाब :** राजा ने कहा दीवान जी आप एक ही शर्त पर पद से त्यागपत्र दे सकते हैं कि आप राज्य के लिए अपने जैसा होनहार दीवान खोज कर दें।

57. उम्मीदवारों ने कौन-सा खेल खेलने का प्रस्ताव रखा?

**जवाब :** उम्मीदवारों ने हॉकी खेलने का प्रस्ताव रखा।

58. उम्मीदवारों को पद के लिए किसका बंधन नहीं था ?

**जवाब :** उम्मीदवारों को पद के लिए सनद का बंधन नहीं था।

59. पढ़े-लिखे लोग प्रायः कौन-सा खेल खेलते थे?

**जवाब :** पढ़े-लिखे लोग शतरंज और ताश जैसे गंभीर खेल खेलते थे|

*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए (4 Mark)** **[4]**

60. प्रस्तुत पाठ जीवन के कौन से शाश्वत मूल्यों को परिभाषित करता है? विचार सहित उत्तर दें।

**जवाब :** प्रस्तुत पाठ हमें जीवन के अनेक शाश्वत मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है जो इस प्रकार हैं-

1. कर्म का जीवन में विशेष स्थान है जो इंसान कर्म करते हैं उनका भाग्य अपने आप ही बन जाता है।
2. मनुष्य का अच्छा आचरण ही उसे संसार में श्रेष्ठ बनाता है।
3. मनुष्य को सदैव परोपकार के मार्ग पर चलना चाहिए। ऐसा व्यक्ति न केवल दूसरों का भला करता है अपितु अपने गुणों का भी विकास करता है।
4. दूसरों की मुसीबत में मदद करना ही मानवता का श्रेष्ठ धर्म है।
5. निस्वार्थ भाव से की गई सेवा का फल आपका भाग्य बदल देता है।
6. ईमानदारी के साथ कर्तव्य पथ पर बढ़ने से सफलता मिलती है।

----- -----

Student Bro

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in